April 2021

गन्ने के रस की अशुद्धियों से बनाई बायो गैस

एसटीएआई के अध्यक्ष ने तीन साल में किया शोध, फेलोशिप मिली

30 किलो फिल्टर केक से बन जाती एक किलो बायो सीएनजी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। गन्ने के रस की अशुद्धियां, जिन्हें फिल्टर केक कहा जाता है, उससे बायो गैस बन जाती है। 25 पैसे किलो के हिसाब से बिकने वाले फिल्टर केक में 25 फीसदी गोबर मिलाकर बायो गैस बनाई जाती है। 30 किलो फिल्टर केक से एक किलो बायो सीएनजी बन जाती है। यह शोध करने वाले दि शुगर टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसटीएआई) के अध्यक्ष संजय अवस्थी को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने शर्करा तकनीक में फेलोशिप प्रदान की है।

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि संजय अवस्थी ने तीन साल में यह शोध पूरा किया है। फिल्टर बहुत सस्ता बिकता है। अगर गांव स्तर पर कोई स्टार्टअप करता है, तो उसका अच्छा रोजगार हो जाएगा। लोग अपने मोहल्ले में बायो गैस बनाकर सप्लाई कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 तक इस तरह के पांच सौ प्लांट देश स्तर पर स्थापित होने की उम्मीद है। अवस्थी ने बायो गैस के कई मॉडल विकसित किए हैं। उन्होंने बताया कि चुकंदर पर आधारित चीनी मिलों से प्राप्त फिल्टर केक का भी बायो गैस बनाने में परीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि गैस उत्पादन में बचे हुए फिल्टर केक का उपयोग खाद के रूप में किया जा सकता है।

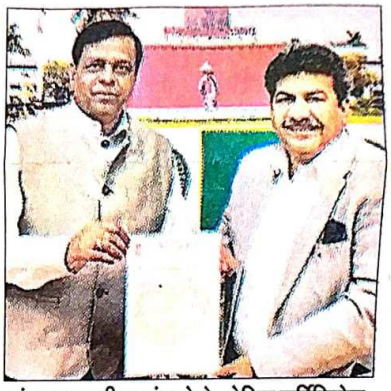

संजय अवस्थी (दाएं) को फेलोशिप सर्टिफिकेट देते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

President of the Sugar Technologists Association of India get fellowship from NSI Kanpur

Fellowship of National Sugar Institute, Kanpur in Sugar technolog was conferred to Sanjay Awasthi, President, The Sugar Technologist Association of India. Sanjay Awasthi has carried research on the top "Biogas from filter cake/press mud from sugar industry" under th supervision of Prof. Narendra Mohan, Director, National Suga Institute, Kanpur during the last three years. Prof. Narendra Mohan Director, NSI informed that the sugar factories in Maharashtra Tamilnadu, Karnataka and Uttar Pradesh have taken up initiative fo setting up such plants, and with the incentives being provided by th Govt. of India, it is expected that by 2023-24, the country will hav about 500 such biogas plants producing 15 million metric tonnes o biogas.